THE INTELLECTUAL PROPERTY RIGHT (IPR) CELL, MULTANIMAL MODI COLLEGE, MODINAGAR

Intellectual Property is one of the key drivers to run the current global economy. India is among one of the countries having great human resource as young population having great creative and innovative mind. The nurturing of these young minds are shaped in the educational institutions such as schools, college and universities. Considering this immense potential, teaching and imparting knowledge related to IPR is very much important and can be done through these institutions. This thought led to establishment of IPR Cell made in Multanimal Modi College, Modinagar on 17/05/2019. The Incharge of IPR Cell is Dr Arun Kumar Maurya, Assistant Professor, Department of Botany. The IPR Cell impart and disseminate the knowledge and skill related with IP rights by organising National Seminar, Seminar at College level, invited lecture and lecture delivered by cell to other institutions. IPR cell is also imparting training to students by providing skill development through field work and training. IPR cell has also received a financial grant (Rs. 20,000/-) to organize a National Seminar from Deptt. of Higher Education, U.P. and another financial assistance Rs 2.5 Lakh received from NIF, DST. New Delhi for the session 2020-21 to document the traditional knowledge and training of students.

SUMMARY OF ACTIVITIES OF IPR CELL

S. NO.	DATE	NATIONAL SEMINAR	DELIVERED LECTURES	LECTURES AT COLLEGE LEVEL	PROJECT FINANCIAL ASSISTANCE
1.	17/05/2019	Inauguration of IPR Cell Constitution and IPR; Resource Person: Mr. Satyaprakash, Dyal Singh College, Delhi University			
2.	26/08/2019		Bhaskaracharya College of Applied Sciences, Delhi University; RP: Dr Arun Kumar Maurya		Scouting, Documentation, Database Development Related To Traditional Knowledge Associated with Plants & Grassroots Innovations in Villages
3.	30/09/2019		National Seminar on Need & Challenges of Intellectual Property Rights; Hindu		

			College, Moradabad; RP: Dr Arun Kumar Maurya		of Two Tahsils (*Satpuli And Pauri*) of District Pauri Garhwal, Uttarkhand Financial Assistance Rs. 2.5 Lakh for session 2020-21.
4.	20/12/2019		3rd National Conference on Seabuckthorn: Laws, policies and Sustainable Development organized by Seabuckthorn Association of India, held at Department of Botany, Delhi University; RP: Dr Arun Kumar Maurya		
5.	29/02/2020	Intellectual Property Rights Laws: Concepts, Applications and Issues Multanimal Modi College, Modinagar Convenor: Dr Arun Kumar Maurya; Financial Assistance: Department of Higher Education, U.P. & Multanimal Modi College, Modinagar			
6.	25/01/2021		IPR: Basic Concepts, Relevance & Opportunities; at Mihir Bhoj College, Dadri, U.P. RP: Dr Arun Kumar Maurya		

7.	28/01/2021		IPR: Concepts, Relevance & Opportunities; Department of Botany, Deshbandhu College, Delhi University. RP: Dr Arun Kumar Maurya		
8.	02/02/2021			Wetland, Ethnobotany and Traditional Knowledge: Role and Relevance RP: Dr Vivek Kumar, Scientist E, NIF; Dr Arun Kumar Maurya	
9.	11/08/2022		Botany & Biopiracy (Swami Sukdevanand Mahavidyalaya, Shahjahanpur)		
10.	30/11/2022		IPR: Concept, Issues & Relevance (Tilak Mahavidyalaya, Auraiya)		
11.	01/12/2022		Biodiversity & IPR: Opportunities & Challenges		

			(Paliwal PG College, Shikohabad)		

IPR Cell Incharge

Dr Arun Kumar Maurya
Assistant Professor
&
Public Information Officer

National Seminar
on
Intellectual Property Rights: Laws,
Concepts, Applications & Issues
February 29, 2020
Organized by
Multanimal Modi College
National Seminar
on
Intellectual Property Rights

निमित जायसवाल
उत्तर केसरी

अपना महानगर

हिन्दू कालेज में आयोजित सेमीनार में पत्रक दिखाते अतिथि तथा सेमीनार को सम्बोधित करते राज्य बाल अधिकार आयोग के चेयरमैन डा. विशेष गुप्ता। उत्तर केसरी

बौद्धिक संपदा अधिकार के बारे में जागरूकता की आवश्यकता : डा. विशेष गुप्ता

मेक इन इंडिया के लिए बौद्धिक सम्पदा के अधिकार की जरूरत : डा. अरूण कुमार मौर्य

(उत्तर केसरी संवाददाता)

मुरादाबाद। हिंदू कालेज के इन्यू सभागार में हिंदू कालेज और आईएफटीएम विश्वविद्यालय के तत्वावधान में 'बौधिक सम्पदा अधिकार की आवश्यकता एवं चुनौतियों' पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन हुआ।

सेमिनार में मुख्य अतिथि उ.प्र. राज्य बाल अधिकार आयोग के चेयरमैन डा. विशेष गुप्ता, आईएफटीएम विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एव हिंदू कालेज प्रबंध समिति के अध्यक्ष राजीव कोठीवाल, मुख्य वकता एमएम कालेज मोदीनगर-मेरठ के डा. अरूण कुमार मौर्य, हिंदू कालेज प्रबंध समिति के प्रबंधक अमित कोठीवाल, हिंदू कालेज के प्राचार्य डा. केसी गुप्ता, सेमिनार के संयोजक डा. अनिल कुमार ने दीप प्रज्वलन कर सेमिनार का शुभारंभ किया।

बाल अधिकार आयोग के चेयरमैन डा. विशेष गुप्ता ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार के बारे में लोगों के बीच जागरूकता की जरूरत है। बुद्धि की शक्ति से हम कुछ भी बेहतर करने में सक्षम हैं। बौद्धिक संपदा की उपयोगिता को विश्व को फायदा मिल रहा। पहले बौद्धिक संपदा अधिकार लोकप्रिय नहीं था। आज इसका महत्व बढ़ गया है। बौद्धिक संपदा अधिकार का मुद्दा काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने बौद्धिक संपदा अधिकार के द्वारा व्यक्तिगत हितों की सुरक्षा के साथ सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के बारे में भी बताया।

हिंदू कालेज और आईएफटीएम 'बौधिक सम्पदा अधिकार की आवश्यकता एवं चुनौतियों' पर किया सेमिनार का आयोजन

मुख्य वकता डा. अरूण कुमार मौर्य ने कहा कि मेक इन इंडिया के लिए बौद्धिक सम्पदा के अधिकार की आवश्यकता बताई। डा. मौर्य ने विभिन्न प्रकार के बौद्धिक सम्पदा अधिकार, कृषि उद्योग, शिक्षण समस्याओं इनकी आवश्यकता तथा वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला।

हिंदू कालेज के प्राचार्य डा. केसी गुप्ता ने बौधिक सम्पदा अधिकार के महत्व, सरकार द्वारा बनाए गए नियम, उनके दुरूपयोग तथा बौद्धिक सम्पदा की दृष्टि से विश्व में भारत की स्थिति पर प्रकाश डाला। हिंदू कालेज के चीफ प्रक्टर डा. बीबी सिंह ने बौद्धिक सम्पदा मे तात्पर्य तथा विभिन्न सम्पदाओं मे इसकी तुलना प्रस्तुत की। सेमिनार के संयोजक डा. अनिल कुमार ने आइपीआर पर सेमिनार को आवश्यकता तथा इसके महत्व को समझाया। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के कुलपति एमपर पांडे ने भविष्य में इस प्रकार की सेमिनार कराने की आवश्यकता बताई। डा. दिलीप कुमार ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

सेमिनार में आईएफटीएम विश्वविद्यालय क कुलसचिव संजीव अग्रवाल, डा. अलका सिंह, डा. एनयू खान, डा. मुकुल किशोर, डा. संजय शर्मा, डा. संजीव राजन, डा. अनुज अग्रवाल, डा. आरपी मिश्रा, डा. जेके पाठक, डा. सुनिल सिंह, डा. अनामिका त्रिपाठी, डा. राकेश कुमार, डा. अमित पैशय, प्रो. मनोज कुमार, मोहम्मद साकिब, प्रो. आरके यादव, पंकज सिंह, डा. जावेद अंसारी, डा. अनमेश कुमार सिन्हा, प्रोफेसर नवनीत वर्मा, डा. पशवीर सिंह, डा. प्रियंवदा सिंह, डा. शालिनी राय, डा. रेनु यादव, डा. इला अग्रवाल आदि रहे।

एमएम कॉलेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

मोदीनगर। मोदीनगर के महाविद्यालय मुल्तानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर में 'बौद्धिक सम्पदा अधिकार कानून: अवधारणा, आवेदन और मुद्दे' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्जवलन, सरस्वती वन्दना एवम् वंदेमातरम के साथ हुआ।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता प्रो० सत्यप्रकाश (सेवानिवृत) चौ० चरण सिह विश्वविद्यालय मेरठ प्रभारी बौद्धिक सम्पदा अनुभाग, संसाधन प्रवक्ता डा० अश्वनी शिवाल दिल्ली विश्वविद्यालय, मुख्य अतिथि प्रो० वी० के० आहूजा दिल्ली विश्वविद्यालय रहे। आज के विशिष्ट अतिथि डा० राजीव कुमार गुप्ता, अच्च शिक्षा अधिकारी मेरठ थे। जिन्होने कहा कि आने वाले समय में हमारा बौद्धिक ज्ञान ही हमारी सम्पति होगी। डा० आहूजा ने ट्रेड् सँधियों पर चर्चा की।

मुख्य वक्ता प्रो० सत्य प्रकाश जी ने वर्तमान में आइ पी आर के महत्व और अनुप्रयोग पर प्रकाश डाला। डा० अश्वनी शिवाल ने आर्टिफिसियल संगोष्ठी के संयोजक डा० अरुण कुमार मोर्य ने संगोषठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

संगोष्ठी के अध्यक्ष महाविधालय के प्राचार्य प्रो० आर० सी० लाल, ने बौद्धिक सम्पत्ति के संर्वद्धन पर जोर दिया। उन्होने सभी आगांतुकों का स्वागत किया। दूसरे सत्र की संसाधन वक्ता डा० विनिता जिंदल ने जैव विज्ञान और विज्ञान के क्षेत्र में पेटेंन्ट प्रक्रिया को समाझाया। सरस्वती सम्मान प्राप्त प्रो के के शर्मा ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञयापित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो आर० सी० लाल ने की। कार्यक्रम का संचालन डा० रिचा यादव प्रो० बायौटेक ने किया। डा० योगेन्द्र यादव एसि प्रो ने पोस्टर प्रजेंटेशन को संचालित किया। इस अवसर पर जानीमाने शिक्षाविद उपस्थित रहे जिनमें डा० हरीश कुमार, डा रवि कुमार, डा० दीपक शर्मा, कुर्दिश फ्रांस वि०वि० की फेकल्टी डा़ पंकज दीक्षित, महाविद्यालय के सभी शिक्षक जिनमे डा० राज पाल त्यागी, डा बालियान आदि थे। कार्यक्रम के मिडिया प्रवक्ता डा० अमर सिंह कश्यप ने बताया कि विदेश के स्कॉलर्स भी सम्मलित हुये।

राकेश शर्मा

मोदीनगर

सांइस एण्ड इंजीनियरिंग विषय पर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन

मोदीनगर। डॉक्टर के एन मोदी फाउंडेशन मोदीनगर के तत्वाधान में डॉक्टर के एन मोदी इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी

दैनिक वीर अर्जुन 1 मार्च राकेश शर्मा मोदीनगर

में आज [illegible] इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन [illegible] गया। कॉन्फ्रेंस का विषय साइंस और इंजीनियरिंग में सतत विकास के लिए उभरती प्रवृत्तियां था। डॉ. भूदेव शर्मा, पूर्व प्रोफेसर [illegible] अटलांटा युनिवर्सिटी, यूएसए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि [illegible] रहे। इस कार्यक्रम में देश व विदेश की 30 से ज्यादा सुविख्यात हस्तियां ने भाग लिया। जिसमें मुख्यत इंजी. जे सी सिंगल, नेशनल प्रेसिडेंट, इंस्टिट्यूशन ऑफ वाटर एंड एनवायरमेंट, डॉ. ए के मित्तल, आईआईटी, दिल्ली, डॉ. ए के शर्मा, चेयरमैन, आई ई आई, छत्तीसगढ़, इंजी. आर एन अरोरा, चेन्नई से सत्यनारायण डी. इत्यादि रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। कार्यक्रम में कुल 35 शोध पत्र, जल एवं पर्यावरण, इंजीनियरिंग इनोवेशन एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे मुख्य विषयो पर पढ़े गए। विद्यार्थियों ने आए हुए एक्सपर्ट से अपनी समस्याओं एवं प्रश्नों पर भी चर्चा की। इस कार्यक्रम के दौरान डॉ केएन एम आई टी में इंस्टिट्यूशन ऑफ वाटर एंड एनवायरनमेंट के नए चैप्टर की स्थापना भी हुई। जिससे कि यहां के विद्यार्थी जल समाशोधन, पर्यावरण सुधार जैसी समस्याओं पर सामाजिक कार्यों में अपना योगदान दे सकें। कार्यक्रम के दौरान यहां के विद्यार्थियों ने अपने इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स की एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जिसे इंडस्ट्री से आए हुए लोगों ने बहुत सराहा। कार्यक्रम के अंत में कैप्टन राजीव सक्सेना एवं मेघराज शर्मा ने सभी गणमान्यो को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। मेघराज शर्मा ने 3 शोधार्थियों को बेस्ट पेपर प्रेजेंटेशन अवार्ड से भी सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर पारुल अग्रवाल ने किया। कैप्टन सक्सेना ने वोट ऑफ थैंक्स द्वारा कार्यक्रम का समापन किया। कार्यक्रम में फाउंडेशन के सभी डायरेक्टर, प्रिंसिपल, सीनियर फैकल्टी एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

बौद्धिक सम्पदा अधिकार कानून अवधारना विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

मोदीनगर।मुल्तानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर में ६ बौद्धिक सम्पदा अधिकार कानून अवधारणा, आवेदन और मुद्दे विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था।

कार्यक्रम का उद्धघाटन दीप प्रज्ज्वलन, सरस्वती वन्दना एवम वंदेमातरम के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य वक्ता प्रो० सत्यप्रकाश (सेवानिवृत) चौ० चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, प्रभारी बौद्धिक सम्पदा अनुभाग, संसाधन प्रवक्ता डा० अश्वनी शिवाल, दिल्ली विश्वविद्यालय, मुख्य अतिथि प्रो० वी० के० आहूजा, दिल्ली विश्वविद्यालय रहे। आज के विशिष्ट अतिथि डा० राजीव कुमार गुप्ता, अच्च शिक्षा अधिकारी मेरठ थे। जिन्होने कहा कि आने वाले समय [illegible]। डा० आहूजा [illegible] प्रकाश ने वर्तमान में आई पी आर के महत्व और अनुप्रयोग पर प्रकाश डाला। डा० अश्वनी शिवाल ने आर्टिफिसियल इन्टेलिजेंस के [illegible] पर बात की। आज की संगोष्ठी के संयोजक डा० अरुण कुमार मौर्य ने संगोषठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

संगोष्ठी के अध्यक्ष महाविधालय के प्राचार्य प्रो० आर० सी० लाल, ने बोद्धिक सम्पत्ति के संर्वद्धन पर जोर दिया। उन्होने सभी आगांतुकों का स्वागत किया। दूसरे सत्र की संसाधन वक्ता डा० विनिता जिंदल ने जैव विज्ञान और विज्ञान के क्षेत्र में पेटेंन्ट प्रक्रिया को समाझाया। सरस्वती सम्मान प्राप्त प्रो के के शर्मा ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो आर० सी० लाल ने की। कार्यक्रम का संचालन डा० रिचा यादव प्रो० बायोटेक ने किया। डा० योगेन्द्र यादव एसि प्रो ने पोस्टर प्रजेंटेशन को संचालित किया। इस अवसर पर जानीमाने शिक्षाविद उपस्थित रहे जिनमें डा० हरीश कुमार, डा रवि कुमार, डा० दीपक शर्मा, कुर्दिश फ्रांस वि०वि० की फेकल्टी डा पंकज दीक्षित, महाविद्यालय के सभी शिक्षक जिनमे डा०राज पाल त्यागी, डा बालियान, आदि थे।

कार्यक्रम के मिडिया प्रवक्ता डा० अमर सिंह कश्यप ने बतलाया कि संगोषठी अतन्यन्त सफल रही जिसमे देश विदेश के स्कॉलर्स भी सम्मलित हुये। 290 डेलिगेटस की भागीदारी हुई।

एमएम पीजी कॉलिज में बौद्धिक सम्पद
कानून व अवधारणा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी व

मोदीनगर (करंट क्राइम)। मुल्तानीमल मोदी महाविद्यालय में बौद्धिक सम्पदा अधिकार कानून अवधारणा आवेदन और विभिन्न मुद्दों के विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था।

महाविद्यालय सभागार में आयोजित संगोष्ठी का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि प्रो० सत्यप्रकाश ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्जवलित कर किया स्कूली छात्रों ने सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की। वक्ताओं ने कहा कि आने वाले समय में हमारा बोद्धिक ज्ञान ही हमारी सम्पति होगी। डॉ० आहूजा ने ट्रेड़ संधियो पर चर्चा की। मुख्यवक्ता प्रो० सत्य प्रकाश ने वर्तमान में आइपीआर के महत्व और अनप्रयोग पर प्रकाश डाला। डॉ०

अश्वनी शिवाल ने आर्टिफिसियल इन्टेलिजेंस के भावी स्वरूप पर चर्चा की। संगोष्ठी के संयोजक डॉ० अरुण कमार मोर्य ने संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। अध्यक्ष महाविधालय के प्राचार्य प्रो० आरसी लाल ने बोद्धिक सम्पत्ति के संर्वद्धन पर जोर दिया। उन्होने सभी आगंतकों का

जैविक सामग्री पर प्रत्येक राज्य का हक

अमृत विचार, शाहजहांपुर

व्याख्यान देते डॉ. अरुण मौर्य

व्याख्यान में उपस्थित छात्र और शिक्षक।

स्वामी शुकदेवानंद महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में वनस्पति विज्ञान व बायोपायरेसी विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मुल्तानीमल मोदी कॉलेज मोदीनगर के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अरुण कुमार मौर्य ने कहा कि बायोपायरेसी पूर्व अनुमति प्राप्त किए बिना दूसरों की जैविक सामग्री का उपयोग करने का एक कार्य है। यह वर्तमान परिदृश्य में बहुत महत्वपूर्ण है।

मुख्य अतिथि ने कहा कि प्रत्येक राज्य को अपनी जैविक सामग्री पर संप्रभु अधिकार हैं। इसमें पारंपरिक ज्ञान को भी शामिल किया गया है। नीम, बासमती और हल्दी के मामले ऐसी बायोपाइरेसी के ज्वलंत उदाहरण हैं। इसे रोकने के लिए, 1992 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा पृथ्वी शिखर सम्मेलन के साथ जैविक विविधता का सम्मेलन लाया गया था। इससे पहले प्राचार्य प्रोफेसर आरके आजाद ने कहा कि बौद्धिक संपदा और वनस्पतियों का आपस मे बहुत पुराना संबंध है। यदि इस पर ध्यान न दिया गया तो भारत अपनी बौद्धिक संपदा को खो सकता है।

इस अवसर पर बीएससी बायोलॉजी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा में कॉलेज में पहला, दूसरा और तीसरा स्थान पाने वाले मेधावियों इक़रा खान, निशी गुप्ता औ स्तुति रस्तोगी को सम्मानित किया गया। प्राचार्य प्रोफेसर राकेश कुमार आजाद ने मुख्य अतिथि डॉ. अरुण कुमार मौर्य को अंगवस्त्र ओढ़ा कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ.आदर्श पांडेय, डॉ. मुमताज हुसैन, हर्ष पाराशरी, राजनंदन राजपूत, चंदन गोस्वामी, अमित गंगवार, सतेंद्र कुमार, मनोज मिश्रा, मोहित यादव, ऋषभ बाजपेयी व आनंद तिवारी आदि मौजूद रहे।

पर गैंगस्टर फिलहाल बंद है। बेटे व पोता
ट को जब्त अलग-अलग जिलों के जिला
या कि आगे कारागार में रखे गए हैं।

दौरान यंग
आहूजा गर्ल्स
छात्राएं, शिक्षक

प्रीमो

षी

ीवन

कहा कि
ादव अपने
नगर तथा
मंत्री बताते
जरा सी
परेशान हो
ाचा-भतीजे
ही है और
जेल जाना
कार्यकर्ताओं
ुए कहा कि
विधानसभा
वे विश्वास
क लोगों की
के बराबर
के भाजपा
मी वर्गों के
और पात्रों
सी के साथ
है।

पालीवाल महाविद्यालय में बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर सेमिनार

शिकोहाबाद (सच कहूँ न्यूज)। पालीवाल महाविद्यालय शिकोहाबाद में वीरवार को बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का शुभारंभ मुल्तानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर से आए मुख्य वक्ता डॉ अरुण कुमार मौर्य, प्राचार्य डॉ प्रवीण कुमार एवं कार्यक्रम के आयोजक डॉ रमेश चंद्र दुबे ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया। प्रारंभ में मुख्य वक्ता का शैक्षिक एवं शोध कार्य परिचय डॉ अजेय करण चौधरी ने दिया। कार्यक्रम का संचालन एनसीसी अधिकारी डॉ आर.बी. पाण्डेय ने किया। सेमिनार में मुख्य मुख्य वक्ता ने महाविद्यालय के सभी छात्र छात्राओं को बौद्धिक संपदा अधिकार से संबंधित कॉपीराइट, पेटेंट के अलावा छात्र-छात्राओं के रोजगार सृजन के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी दी। प्राचार्य डॉ प्रवीण कुमार ने कहा कि महाविद्यालय में आयोजित इस सेमिनार से छात्र-छात्राएं अवश्य लाभान्वित होंगे तथा उनके लिए रोजगार से संबंधित संभावनाएं प्रकट होगी। इस मौके पर पूर्व प्राचार्य डॉ आरसी गुप्ता, उप प्राचार्य डॉ विशाल पाठक, मुख्य अनुशासन अधिकारी डॉ प्रेम प्रभाकर, एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी डॉ मित्रपाल सिंह, डॉ टी एच नकवी, डॉ अजय कुमार, डॉ शरद मित्तल, डॉ अंशु शर्मा, डॉ सुशील कुमार, राजीव अग्रवाल, पुष्कर सिंह, लवली वर्मा, वत्सला, ज्योति मौजूद रहे।।

सिव
गांव
विरो
डंपिं
विरो
प्रशा
प्रदश
बाब
पर
जल
डंपिं

सांस्कतिक प्रतियोगिता

टीएमवी में विज्ञान वर्ग के छात्रों को विशेषज्ञों ने बताई बारीकियां

कार्यक्रम में मौजूद सहायक प्रोफेसर डा. शशिवाला व अन्य लोग

लोकभारती न्यूज ब्यूरो

औरैया। तिलक महाविद्यालय में विज्ञान वर्ग के छात्रों के लिए रसायन विज्ञान तथा वनस्पति विज्ञान से संबंधित विषय पर चर्चा हुई। जिसमें स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय मेरठ की सहायक प्रोफेसर डॉ शशि वाला ने कहा कि वायुमंडल में इन ग्रीन हाउस गैसों की वजह से तमाम तरह की आपदाएं आती हैं। जिसका परिणाम है कि अति वर्षा के साथ सूखी हालात भी पैदा हो जाते।

उन्होंने कहा कि वातावरण में तीन प्रमुख गैस हैं जैसे कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रिक ऑक्साइड की अधिकता सबसे

➲ ग्रीन हाउस गैसों के कारण आती है प्राकृतिक आपदा

ज्यादा खतरनाक है। वर्तमान में वायुमंडल में गैसों का प्रतिशत 70 से 75 हो गया है। गैसों के दुष्प्रभाव को रोकने के लिए इनका कंट्रोल करना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि ऐसी इंजीनियरी विधि है जिससे कार्बन डाइऑक्साइड को वातावरण में छोड़ने के बजाय इस विधि से प्राप्त कर सीधे स्टोर किया जा सकता है। इससे भारी मात्रा में जीवाश्म का प्रयोग होता है। वनस्पति विज्ञान विषय के विशेषज्ञ मुल मोदी कॉलेज मोदीनगर सहायक प्रोफेसर डॉ. अरुण क मौर्या ने बौद्धिक संपदा अधि के अंतर्गत कॉपीराइट एक्ट, पे ट्रेडमार्क आपके बारे में वि जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम शुरुआत महाविद्यालय के प्रा डॉ रवि कुमार व अतिथियों सरस्वती के चित्र के सामने प्रज्वलित कर किया। इसके अतिथियों तथा प्राचार्य का डो विकास दुबे, प्रोफेसर प्र कुमार, डॉ रितु अग्रवाल लोगों ने माल्यार्पण कर स्व किया । कार्यक्रम का संच रसायन विज्ञान के विभागा डॉ. डी एस त्रिपाठी ने किया।

तिलक महाविद्यालय के सभागार में कार्यक्रम के दौरान उपस्थित विशेषज्ञ ● शिवक

गैसों के संबंध में छात्र-छात्राओं को दी जानकारी

जासं, औरैया: तिलक महाविद्यालय में गुरुवार को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विशेषज्ञों ने विज्ञान वर्ग के छात्र-छात्राओं को गैसों के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डा. रवि कुमार ने दीप प्रज्वलन कर किया। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ की सहायक प्रोफेसर डा. शशि बाला ने बताया कि वातावरण में तीन प्रमुख गैस हैं जैसे कार्बन डाइआक्साइड, मीथेन, नाइट्रिक आक्साइड की अधिकता सबसे ज्यादा खतरनाक है। वर्तमान में वायुमंडल में गैसों का प्रतिशत 70 से 75 हो गया है। वनस्पति विज्ञान विषय के विशेषज्ञ मुल्तानी मोदी कालेज मोदीनगर के सहायक प्रोफेसर डा. अरुण कुमार मौर्या ने बौद्धिक संपदा अधिकार के अंतर्गत कापीराइट एक्ट, पेटेंट, ट्रेडमार्क आपके बारे में जानकारी प्रदान की।

बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर सेमिनार आयोजित

■ SPM NEWS अब्दुल सत्तार

शिकोहाबाद। पालीवाल महाविद्यालय में वनस्पति विज्ञान विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ मुल्तानी मल मोदी महाविद्यालय मोदीनगर से पधारे मुख्य वक्ता डॉ. अरुण कुमार मौर्य व प्राचार्य डॉ. प्रवीण कुमार ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन कर किया।

कार्यक्रम आयोजक डॉ. रमेश चंद्र दुबे व डॉ. अजेय करण चौधरी ने मुख्य वक्ता का शैक्षिक एवं शोध कार्य परिचय कराया। सेमिनार में मुख्य मुख्य वक्ता ने महाविद्यालय के सभी छात्र छात्राओं को बौद्धिक संपदा अधिकार से संबंधित कॉपीराइट, पेटेंट के अलावा छात्र.छात्राओं के रोजगार सृजन के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी दी। अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य ने कहा कि हमारे महाविद्यालय में आयोजित इस सेमिनार से सभी छात्र.छात्राएं अवश्य लाभान्वित होंगे। उनके लिए रोजगार से संबंधित संभावनाएं प्रकट होगी। कार्यक्रम के अंत में वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रमेश चंद्र दुबे ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को ई सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। सेमिनार में महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. आरसी गुप्ता, उप प्राचार्य डॉ. विशाल पाठक, मुख्य अनुशासन अधिकारी डॉ. प्रेम प्रभाकर,एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मित्र पाल सिंह, डॉ. टीएचनकवी, डॉ. अजय कुमार,डॉ. शरद मित्तल, डॉ. अंशु शर्मा आदि उपस्थित रहे। संचालन एनसीसी अधिकारी डॉ. आरबी पाण्डेय ने किया।